

# सरकारी ब्लाड बैंक से रक्त घटको को संग्रह करने की नियमावली

1. रक्त लेने वक्त रिकूईजिसन पेपर पर रोगी की बीमारी, बीमारी का कारण, डा. के हस्ताक्षर, पंजीकरण, रेजिस्ट्रेशन और सीरियल नम्बर पर एक नजर रखना होगा।
2. ब्लाड बैंक से रक्त लेते समय रोगी के खून की जाँच करने से जो क्रसमैच स्लिप मिलता है, उसे जरूर संग्रह करे क्योंकि रोगी के रक्त संचालन में इसकी एक महत्वपूर्ण भूमिका है।
3. रक्त लेने के लिए आवेदन पत्र जमा करने के बाद खून की जाँच पड़ताल के लिए हमें कुछ समय देना चाहिए वरना परीक्षा के काम में विघ्नता आती है।



- ❑ स्वैच्छिक रक्तदान करने की उम्र - 18 से 65 साल तक।
- ❑ स्वैच्छिक रक्तदान के लिए चाहिए एक स्वस्थ शरीर, जिसका वजन न्यूनतम 45 केजि/kg होना चाहिए।
- ❑ स्वैच्छिक रक्तदान करने के लिए रक्त में न्यूनतम 12.5 प्रतिशत हिमोग्लोबिन की मात्रा होनी चाहिए।
- ❑ स्वैच्छिक रक्तदान करने के बाद रक्त में जो कमी होती है, वो प्राकृतिक नियम से ही हमारे शरीर में उसकी पूर्ति हो जाती है।
- ❑ हर तीन महीने में एक बार और उसी हिसाब से एक रक्तदाता साल में चारबार रक्तदान कर सकते हैं।

## आपका योगदान आपका स्वैच्छिक रक्तदान

- ◆ स्वैच्छिक रक्तदान एक सामाजिक कर्तव्य है।
- ◆ स्वैच्छिक रक्तदान समाज में एक मिसाल कायम करती है।
- ◆ स्वैच्छिक रक्तदान से आपको अपने रक्त का ग्रुप और ऐच फेक्टर दोनो ही जानने का मौका मिलता है।
- ◆ नियमित रक्तदान से हम रक्तवाहित रोगो को भी हमारे शरीर में आने से रोक सकते हैं।
- ◆ रक्तदान करने से एक स्वैच्छिक (Voluntary) रक्तदाता एक विशेष कार्ड के अधिकारी होते हैं जिससे उनको जरूरत पड़ने पर एक इयुनिट (Unit) खून मुफ्त में मिल सकता है वो भी एक आवश्यक समयसीमा के अन्दर।
- ◆ स्वैच्छिक रक्तदान पारिवारिक और पारिपार्श्विक सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में और अनावश्यक भय और पक्षपात को कम करने में सहायता करता है।
- ◆ स्वैच्छिक रक्तदान से समाज के प्रति हमारा दायित्व सृद्ध होता है।
- ◆ रक्तदान से किसी की जान बचाने पर हमें मानसिक शान्ति और तृप्ति मिलती है।
- ◆ दूषित रक्त के अभिषाप से रोगी को बचाने के लिए जरूरत है जागरूकता की, जो कि सिर्फ तभी सम्भव है जब रक्तदान आन्दोलन के माध्यम से हम सभी को सुरक्षित और स्वच्छ रक्त की जरूरत के बारे में जागरूक कर पायेंगे।

स्वैच्छिक रक्तदान हम सबका एक सामाजिक दायित्व और कर्तव्य है। रक्तदान के बाद रक्त को कुशलता पूर्वक परीक्षा करके रोगी के शरीर में प्रवाह करने के क्षेत्र में 'स्वैच्छिक रक्तदान' की एक महत्वपूर्ण भूमिका रही है और बीमार मरीजों की जान बचाने के लिए मानव रक्त की भूमिका सबसे ज्यादा है, जिसका कोई विकल्प नहीं हो सकता।

हर तीन महीने में, कोई भी स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकते हैं।

रक्तदान को जीवन का श्रेष्ठ दान माना जाता है जो कि जरूरत के समय किसी परिवार के आँसू, लाचारी और किसी के ना होने के गम को भी भूला देता है। आपका स्वैच्छिक रक्तदान सदैव मानवकल्याण में पीड़ित और बीमार लोगों की जान बचाने में मददगार होता और इसी सर्दथक आशा से आप सबसे विनीत निवेदन है, रक्तदान कर्मसूची में सक्रिय अंशग्रहण के लिए।



गर्भवती माताओं और नवजात बच्चों के लिए



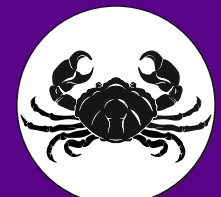
जले हुए रोगियों के लिए



रोगी के लिए बड़ी सर्जरी



बीमार रोगी के लिए



कैंसर रोगियों के उपचार के लिए



दुर्घटना में घायल लोगों के लिए